ब्रजभारती
भाग-2

ब्रज भारती प्रवेशिका
(दूसरा भाग)

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन, लखनऊ-226 005

ब्रज भारती प्रवेशिका
(दूसरा भाग)

रचना मण्डल

- डॉ० निरंजन कुमार सिंह
- डॉ० श्यामलाकान्त वर्मा
- डॉ० सरोजिनी कुलश्रेष्ठ
- श्री श्रीनाथ मिश्र
- श्री लायक राम 'मानव'
- श्री श्याम लाल
- श्री विश्वनाथ सिंह
- श्री लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'
- डॉ० त्रिलोकी नाथ ब्रजबाल
- डॉ० नारायण दत्त शर्मा
- श्री सत्यदेव आजाद
- श्री यमुना प्रसाद त्रिपाठी 'धार'
- श्री गणेश शंकर चौधरी

आवरण एवं कला पक्ष

- के० जी० सिंह
- डी० वी० दीक्षित
- आनन्द सिंह

पुनर्निर्माण

- डॉ० टी० आर० सिंह
- श्री प्रताप 'सोमवंशी'
- श्री वीरेन्द्र मुलासी
- श्री विश्वनाथ सिंह
- श्री श्याम लाल
- डॉ० धरम सिंह
- श्री लायक राम 'मानव'

प्रकाशक

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन
लखनऊ-226 005 (उ० प्र०)

मुद्रक

प्रतिभा प्रेस (आफसेट डिवीजन)
नया गाँव, लखनऊ

अप्रैल 1990

नए संस्करण की भूमिका

साक्षरता निकेतन द्वारा क्षेत्रीय आधार पर निर्मित सभी प्रवेशिकाओं का व्यापक प्रयोग और स्वागत हुआ है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के उपरांत प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्य और कार्यक्रम में कई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। ये परिवर्तन क्षेत्रीय अध्ययन, अनुभवों, प्रवर्तन एवं मूल्यांकनों पर आधारित हैं। पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण पर भी इन परिवर्तनों का प्रभाव स्वाभाविक है।

अतः सभी प्रवेशिकाओं को नई नीति के अनुसार एकीकृत रूप में संशोधित एवं पुनर्निर्मित किया गया है। कुछ नई प्रवेशिकाएँ भी बनाई गई हैं। इस 'ब्रज भारती' प्रवेशिका के नवीन संस्करण की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं :–

- यह भारत सरकार एवं प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित एकीकृत विधा के मानकों पर आधारित है।

- साक्षरता अथवा गणित का भार नवीन मानकों के अनुसार जहाँ अधिक अनुभव हुआ, वहाँ इस संस्करण में कम किया गया है।

- अभ्यास पुस्तिका तथा गणित को प्रवेशिका के साथ ही संलग्न किया गया है।

प्रत्येक 4 पाठों के उपरान्त एक जाँच पत्र दिया गया है। प्रवेशिका के अन्त में सम्पूर्ण प्रथम भाग के लिए एक मूल्यांकन पत्र है , जिसमें साक्षरता पढ़ाई लिखाई, गणित सम्बन्धी दक्षता की जाँच हेतु जाँच पत्र दिए गए हैं। अन्त में प्रमाण पत्र का प्रारूप भी है।

प्रवेशिका के पुनःनिर्माण में डॉ० टी० आर० सिंह, डॉ० धर्म सिंह, श्री वीरेन्द्र मुलासी, श्री लायक राम 'मानव', श्री श्यामलाल तथा पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ सिंह ने अथक परिश्रम किया। उत्तर प्रदेश सरकार की प्रौढ़ शिक्षा सचिव तथा निदेशक श्रीमती रीता सिन्हा ने हर स्तर पर हमें परामर्श एवं निर्देशन देकर इस कार्य को गरिमा प्रदान की। हम उनके आभारी हैं।

आशा है, इस प्रवेशिका के माध्यम से प्रौढ़ को साक्षरता, व्यावसायिक दक्षता एवं चेतना जागृति सम्बन्धी आयामों को आत्मसात् करने में अधिक सुविधा होगी। साथ ही प्राप्त दक्षताओं की परीक्षा और परिलेख सम्बन्धी कार्यकलाप भी सुविधापूर्वक सम्पन्न किए जा सकेंगे।

आशा है, आप अपने बहुमूल्य सुझाव देकर हमें कृतार्थ करेंगे।

शिव दत्त त्रिवेदी
निदेशक, रा० सं० केन्द्र
साक्षरता निकेतन, लखनऊ

दिनांक:5-9-1989

ब्रज भारती

दूसरा भाग

(पाठ इकाई विवरणिका)

पाठ संख्या	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा बिन्दु	रा.सा.मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1.	ढोलक ओढ़नी चौबारा	ढ ओ ढ़ ो	51 से 60 तक गिनती	सांस्कृतिक पक्ष	सांस्कृतिक कार्यक्रम
2.	अमरस इमली उदला	अ इ उ	61 से 70 तक गिनती	फल उत्पादन एवं संरक्षण	स्वास्थ्य से सम्बंधित, आर्थिक कार्यक्रम
3.	शोषण ऋण	श ष ण ऋ	71 से 80 तक गिनती	स्वरोजगार, शोषण-मुक्ति	चेतना-जागृति, आर्थिक कार्यक्रम
	जाँच-पत्र : 4 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)				
4.	ऐनक पत्र	ऐ त्र	81 से 90 तक गिनती	आँखों की सुरक्षा	स्वास्थ्य से सम्बंधित, चेतना- जागृति
5.	अभ्यास पाठ (कविता)	–	–	पारिवारिक सद्भावना	चेतना-जागृति, सामाजिक मूल्य
6.	कक्षा ज्ञान एकता	क्ष ज्ञ ए	91 से 100 तक गिनती	साक्षरता का महत्त्व	राष्ट्रीय मूल्य, चेतना-जगृति
	जाँच-पत्र-5 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)				
7.	ब्रज आश्रम वृंदावन गोवर्धन	्र श्र ृ र्	एक अंक का जोड़	ब्रज भूमि का महत्त्व	धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम, चेतना-जागृति
8.	संयुक्ताक्षर (पाई हटाकर बनने वाले)	–	एक अंक का घटाना, जोड़ का अभ्यास	स्वास्थ्य	स्वास्थ्य से सम्बंधित, चेतना- जागृति
9.	संयुक्ताक्षर (घुंडी हटाकर बनने वाले)	–	एक अंक का गुणा, जोड़, घटाने का अभ्यास	अंधविश्वास	चेतना-जागृति
10.	संयुक्ताक्षर (हलन्त लगाकर बनने वाले ट, ड के साथ र का संयोग)	–	एक अंक का भाग, गुणा का अभ्यास	राष्ट्रीय प्रतीक	राष्ट्रीय मूल्य, चेतना-जागृति

जाँच-पत्र : 6 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

प्रमाण पत्र

ढोलक ओढ़नी चौबारा

ढ ओ ढ़ ौ

ढ	ढपली	ढोर	ढींगरा	ढंग
ओ	ओस	ओखली	ओट	ओझल
ढ़	पढ़ना	गढ़	बाढ़	मढ़ी
ौ	पौधा	मौर	गनगौर	भौजी

ढैया	ओटपाय	कढ़ैया	बुढ़ापा
ओला	ढलान	ढीठ	ढाल
लोढ़ा	जौहरी	मनमौजी	पौरी
बढ़ई	ढेर	चढ़ाई	गौरा

आज बिरज मै होरी रे रसिया

होरी पै नर-नारी खेलैं-कूदैं। सब हिल-मिल कै होरी खेलैं। हाथन मै रंग भरी पिचकारी लैकै लाल, हरो, बैंजनी, नीलौ रंग छिड़कैं। मुख पै गुलाल लगाय के हँसैं औरु हँसावैं। देखत मै बड़ो नीकौ लगै। सब ओर रंग-बिरंगौ गुलाल ही गुलाल दीखै–

'चलत गुलाल लाल भये बदरा।'

होरी कै समै आदमी ढोल बजावैं और धमार सुनावैं। औरतैं रंग-बिरंगी ओढ़नी ओढ़िकै, पायन में घुँघुरू बाँधिकै छमक-छमक नाचैं।

होरी कै दिना मीठे-मीठे गूझन कौ पकवान बनैं। लोग एक-दूसरे कूँ बड़े भाव सूँ खवावैं। सबहि एक-दूसरे सों गले मिलैं और मोद मनावैं।

होरी कौ परब हमारे देस कौ विशेष परब है। यामैं सब धरमन कै औरु सबहि जातिन कै लोग अति नेह भाव सूँ गले मिलैं, सब भेद-भाव मिटि जायँ। सब जन मिलिकै ढोलक औरु झाँझ कै संग गावैं–

'आज बिरज मै होरी रे रसिया।'

अभ्यास 1

1.1. नीचे लिखै सब्दान मैं ढ, ओ, ढ़, ौ आए हैं। सबई अक्षरन के सामने उन सब्दन कूँ छाँटिकै लिखौ, जामें वा अक्षर आवैं :

जौहरी ढाल पढ़ना चढ़ाई
चिरौटा ओर ओझल ढेर

ढ ______________ ओ ______________

ढ़ ______________ ौ ______________

1.2. नीचे लिखै सब्दान मैं सै ठीक सब्द चुनिकै वाक्यन कूँ पूरौ करौ औरु पूरौ वाक्य फिरिसै लिखौ :

ढैंचा पढ़ना

- ______ **से हरी खाद बनै।**
- ______ **लिखना आदमी के विकास कूँ जरूरी है।**

____

____

2. गिनौ औरु लिखौ :

51 52 53 54 55 56 57 58 59 60

____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

पाठ 2

अमरस इमली उदला

अ इ उ

अ	अमर	अनार	अखबार	अटारी
	अनवट	अमरूद	अजगर	अनजान
इ	इनाम	इलाज	इमारत	इकहरा
उ	उमर	उपाय	उपजाऊ	उलाहना

अखरोट	अगहन	इमरती	उधार
इलायची	इंजन	अचरज	असर
इकाई	उपरा	अजवाइन	अदरख
अलक	इतर	इतउत	उबटन

अमरस कौ आनंद

मोहन, इत कूँ आ। बात सुन। गरमी की रितु है। मीठे-मीठे आम मँगाय लै। आजु अमरस बनाविंगे। सब हिल-मिल कै अमरस कौ आनंद लिंगे। आम की मिठास कै आगे लडुआ, पेड़ा, मिसुरी सबु फीके लगैं।

इमली पौरी मै परी रहन दै। टेंटीन नै डलिया मै भरि लै। दौरिकै जा, दिन मुदिबै बारौ है।

उदला चौका मैं धरौ है। अपनी महतारी सै पूछि लै- थारी, झारी, कटोरी कित कूँ धरी हैं। लोहरौ भैया खेत पै गयो है। थोरी देर पाछे बगदैगौ।

सुन, चौतरा पै सीरक मै गैया बाँधि आ। छिरकाब करिलै। भोतु काम परै हैं, नैकु फुरती करि।

अभ्यास 2

1.1. नीचे लिखै सब्दान कूँ पढ़ौ औरु लिखौ :

अदरख ________ **इलायची** ________

उपवास ________ **उजाला** ________

1.2. नीचे लिखै सब्दान की सहायता से आगे लिखै वाक्यन की खाली जगहन कौ भरौ, पढ़ौ औरु लिखौ :

इलाज ________ **अखबार** ________

- **बीमार होवै पर हकीम से ________ करावै क चाही।**
- **________ पढ़न से नई-नई जानकारी मिलै।**

____

____

2. गिनौ औरु लिखौ :

61 62 63 64 65 66 67 68 69 70

___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___

पाठ 3
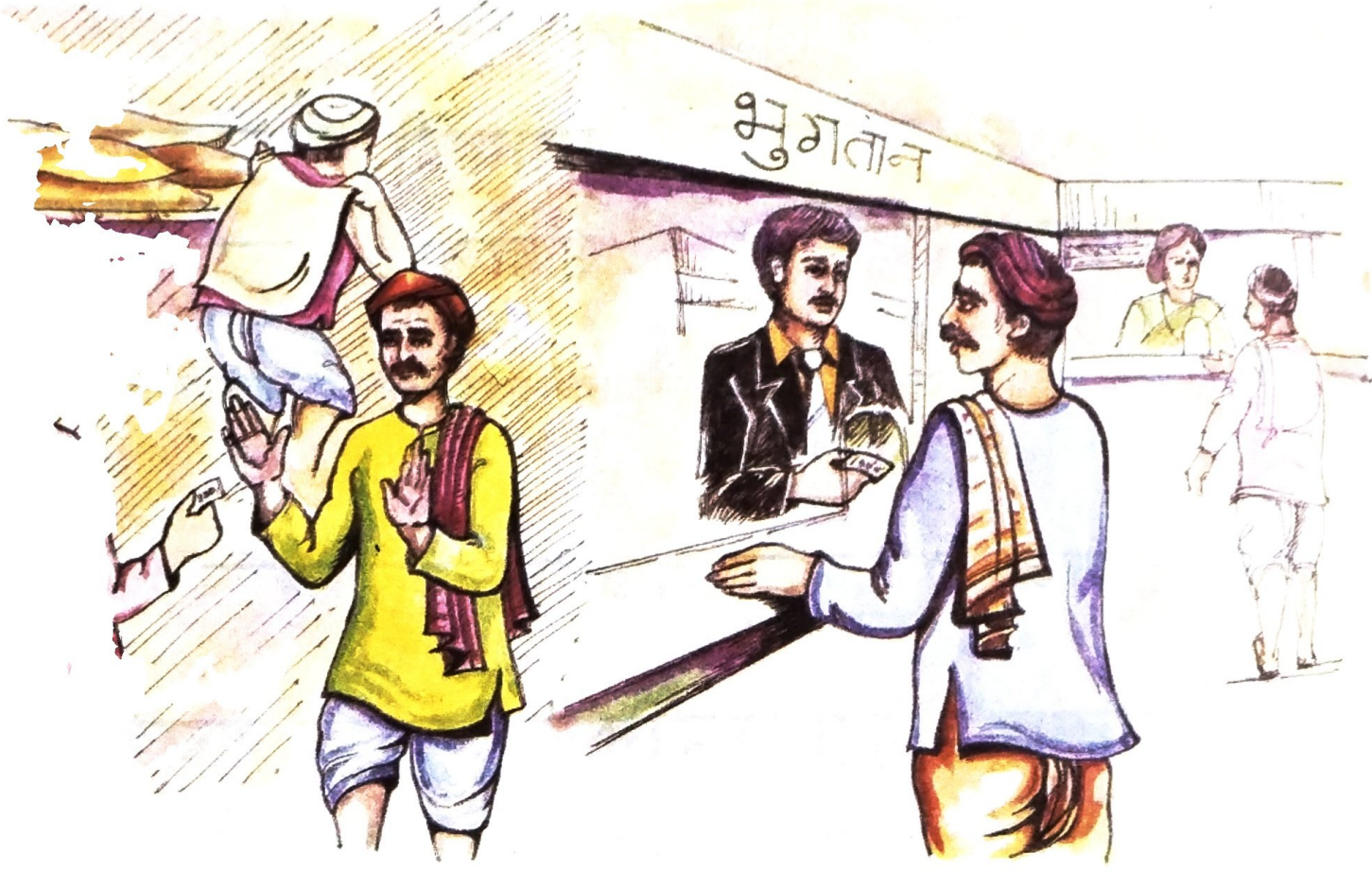
शोषण ऋण

श ष ण ऋ

श	शहद	शिव	शोभ	शैल
ष	आषाढ़	ऊषा	भाषा	पुरुष
ण	कण	करुणा	गुणी	गणित
ऋ	ऋषि	ऋतु	ऋणी	उऋण

शंकर	अवगुणी	केशव	कारण
महेश	शीतल	दोष	गणेश
पोषण	विषय	शिशु	चीरहरण

शोषण सै बच जायगौ

महाजन नै संता कूँ ऋण दीयौ। खेत, बाग, बगीचा सबई रहन रखनै परै, एकु घरई बचौ। संता धीरे-धीरे करिकै ऋण चुकता करैगौ।

ऋण कौ बियाज दिन दूनौ, राति चौगुनौ बढ़ै। जाकौ लाभ महाजन उठाबैं। ऋणी कौ शोषण करैं।

ऋण लैकै संता भोतु दुखी भयौ। राति दिना चिंता मै सूखौ जाय। काई तरियाँ ऋण चुक जाय, संता जाकी जुगाड़ मै है। सरकार सै सहायता माँगी है। मिलिबै कौ पूरौ भरोसौ है। गणेश जी ने चाही तौ या आषाढ़ मै उऋण है जायगौ। तब संता शोषण सै बच जायगौ।

अभ्यास 3

1.1. पढ़ौ औरु लिखौ :

साहूकार कम पैसा दैकै अधिक वसूल करत हैं। या ·शोषण सौं बचनै कौ बैंकन सै ऋृण लेनौ चहिए।

1.2. समान सब्दान कौ रेखा से मिलावौ :

·शहर	ऋृण
·शेषनाग	ऋृतु
पोषण	·शरीर
ऋृतु	·शहर
ऋृण	पोषण
·शरीर	·शेषनाग

2. गिनौ औरु लिखौ :

71 72 73 74 75 76 77 78 79 80

___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___

जाँच-पत्र : 4 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़ौ :

(अ) ढकोसला ओला पौरी पाषाण इलायची
अजवाइन लोढ़ा गणेश उबटन उपचार

(ब) मोहन,इत कूँ आ। बात सुन। गरमी की रितु है। मीठे-मीठे आम मँगाय लै। आजु अमरस बनाविंगै। सब हिल-मिल कै अमरस कौ आनंद लिंगै।

2. नीचे लिखै सब्दान की सहायता से आगे लिखै वाक्यन की खाली जगहन कौ भरौ, पढ़ौ औरु लिखौ :

ऋण उदला लड़ुआ-पेड़ा

- साहूकार सै ____ लैके संता भोतु दुखी भयो।
- ____ चौका में धरौ है।
- आम की मिठास के आगे ____ मिसुरी फीके लगैं।

____

____

____

3. लिखौ :

आषाढ़ रोहिणी उपहार घुँघुरू आनंद

______ ______ ______ ______ ______

4. छूटी भई गिनती पूरी करौ :

51	52		54	
56			59	60
	62	63		65
66		68		70
	72		74	
76		78		80
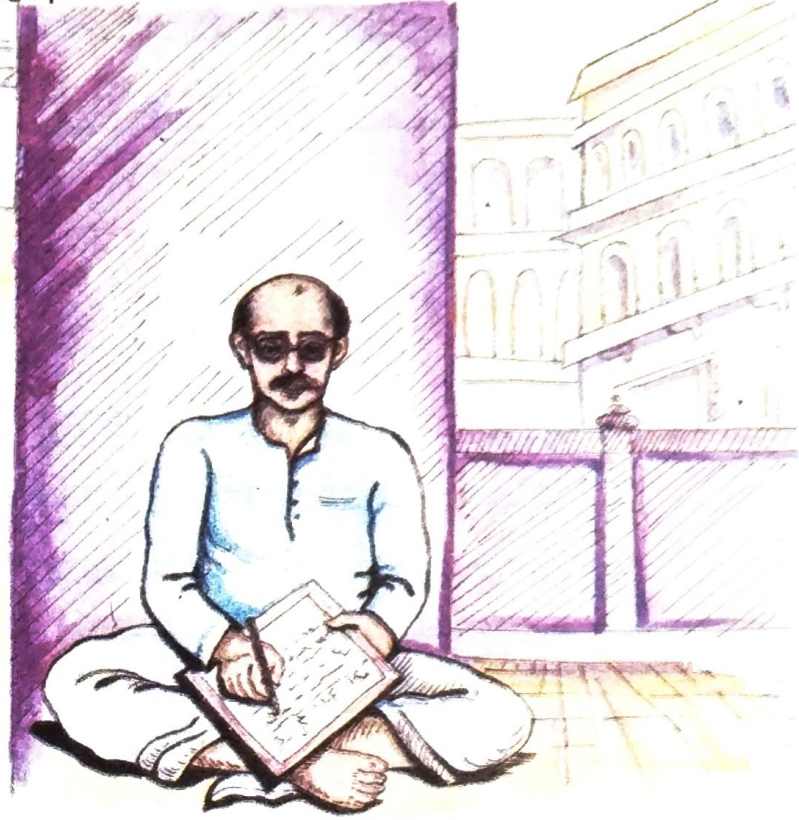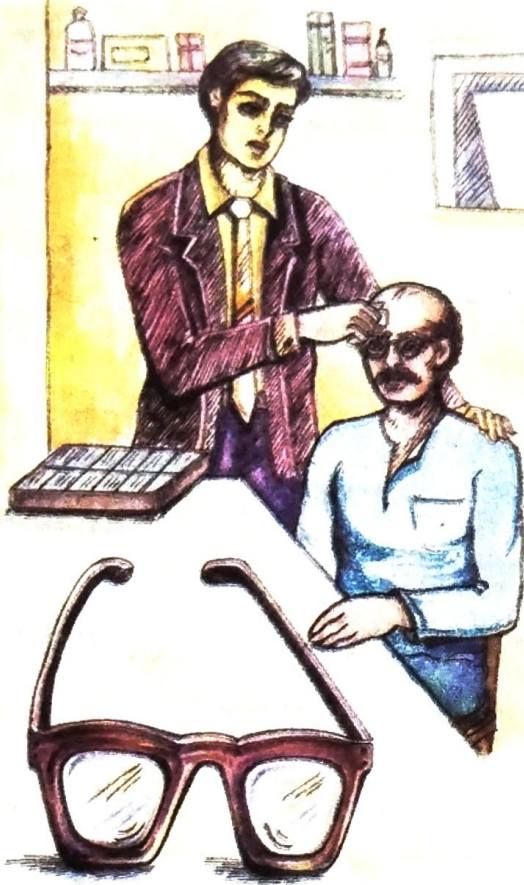
ऐनक पत्र

ऐ त्र

ऐ	ऐसौ	ऐन	ऐपन	ऐंठन
	ऐलान	ऐरावत	ऐब	ऐंचातानी
त्र	त्राण	मित्र	त्रिशूल	मंत्री
	गायत्री	शत्रु	त्रेता	त्रिवेणी

आँखि है तो जहान है

मानुस की आँखि बड़े काम की चीज ऐ। आँखि नांय होय तौ संसार महिं चारौं ओर अँधरौई अँधेरौ ऐ। जो मानुस आँखिन की देखभाल नांय राखै, बाकू पछितानौ परै।

सावित्री की पुत्री राजरानी नै भोतु दिनान तक आँखिन की खराबी कै कारण मास पायौ। पवित्र त्रिवेणी कौ नहान, त्रिभंगीलाल कै दरसन,गायत्री कौ जाप, सबई छूटि गये। काम-काज करिबै मै लाचार ऐ। इबै पै जब अपनौ इलाज करायौ, तब रोग सै छुटकारौ पायौ।

राजरानी अब रोजाई सकारे त्रिफला कै जल सै आँखिन कूँ धोबै। जासै आँखिन की जोत बढ़ि गयी। ऐनकऊ नांय लगानी परी। पत्र-पत्रिकान के महीन सै महीन आखर पढ़ि सकै। गैलऊ मै इकली निकसिबे मै डरै नांय। लोग साँचई कहतु ऐं --

"आँखि है तो जहान है।"

अभ्यास 4

1.1. नीचे लिखै सब्दान कौ 'ऐ' या 'त्र' लगाकर पूरौ करौ औरु लिखौ :

जनतं____ ____ ____तिहासिक ____

____लान ____ गणतं____ ____

मं____ी ____ ____टमबम ____

1.2. पढ़ौ औरु लिखौ :

- तंत्र-मंत्र सौं रोगन कौ निवारण नांय होय।
- भारत मै लोकतंत्र ऐ।
- झाँसी ऐतिहासिक जगह ऐ।

____

____

____

2. गिनौ औरु लिखौ :

81 82 83 84 85 86 87 88 89 90

____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____

परभाती

उठौ री सुहागिल नारि, बुहारु लेऊ अँगना।
धीउ मेरी सास कें, बहू मेरी बाप कें,
कौन बुहारै मेरौ बासौ घर अँगना।1।
बहू ऐ बुलाई लेउ, धीउ ऐ रहन देउ,
बुही बुहारै तिहारौ बासौ घर अँगना।2।
दीए की लोइ फीकी, चाँदनी कौ चँदना,
मुखकौ तमोल फीकौ, नैनन कौ सुरमा।3।
गैअन कै बंधन छूटे, पंछी चले चुगना,
उठौ री सुहागिल नारि, हम चले जमुना।4।

संकलनकर्ता—डॉ. त्रिलोकीनाथ ब्रजबाल

अभ्यास 5

1.1. पढ़ौ औरु लिखौ :

उत्कृष्ट	________	**आरती**	________
इत्र	________	**खोया**	________
अंबर	________	**कौआ**	________

1.2. सही अक्षर जोड़िकै सब्दान कूँ पूरौ करौ औरु लिखौ :

स ल ग ज द न ह र

अँ__ना   **चाँ__नी**   **सु__मा**   **__मुना**

________   ________   ________   ________

सुहागि__   **बंध__**   **मानु__**   **म__तारी**

________   ________   ________   ________

2. छूटी भई गिनती भरौ :

41		43	44		46		48		50
	52		54	55		57	58	59	
61		63		65	66			69	70
	72	73			76		78		80
		83	84		86		88		90
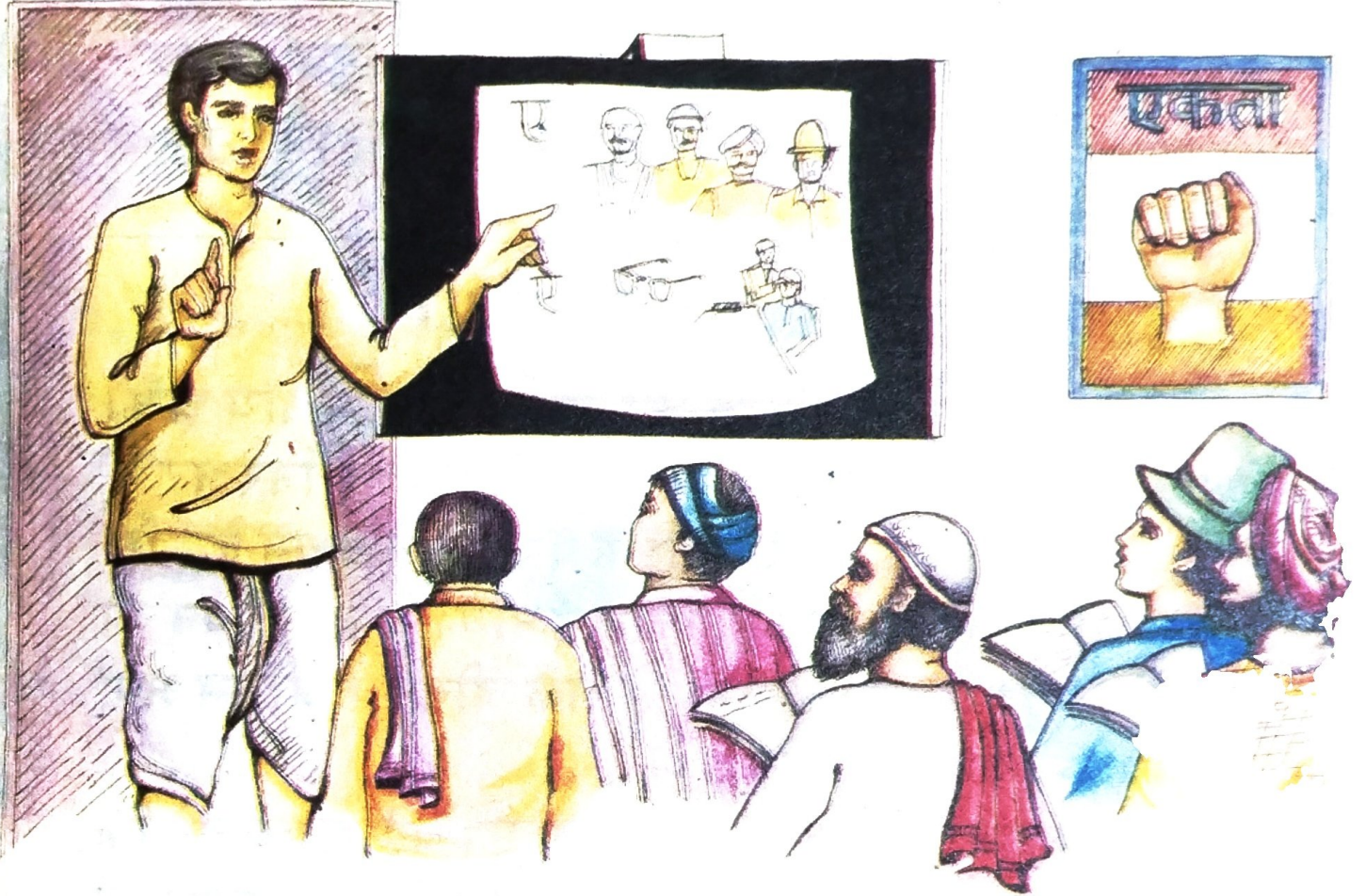
कक्षा ज्ञान एकता

क्ष ज्ञ ए

क्ष	क्षमा	क्षेत्र	शिक्षा	साक्षर
	कक्षा	पक्ष	शिक्षक	अक्षर
ज्ञ	ज्ञान	अज्ञान	विज्ञान	विज्ञापन
ए	एक	एकड़	अतएव	पढ़िए

लक्षण	यज्ञ	भिक्षा	ज्ञानी
चाहिए	पक्ष	विपक्ष	इसलिए
एतबार	मोक्ष	रक्षक	अनविज्ञ

समाज कौ पहरुआ

शिक्षा कै क्षेत्र मै शिक्षक कै बिना कोई काम नांय चलै। शिक्षकई शिक्षा की धुरी होतु ऐ। शिक्षकई निरक्षर कूँ साक्षर बनावतु ऐ। बुई अनपढ़ कूँ पढ़ावतु ऐ, ज्ञान देतु ऐ।

शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान करनौई नांय। बु तौ जीवन कौ अंग होति ऐ। आदमी के जनम सै लैकै जीवन कै अंतिम क्षण तक शिक्षा चलति रहति ऐ।

शिक्षक समाज कौ सजग पहरुआ ऐ। बुई बतावतु ऐ कि अशिक्षा तौ लोगनि कूँ तोड़ति ऐ, पर शिक्षा सबनि कूँ जोड़ति ऐ। बुई सबनि मै एकता लावति ऐ। शिक्षक कै सामनै समाज कौ हितु ही सबसे ऊँचौ होतु ऐ। जेहि कारन शिक्षक कौ सब आदर करैं।

अभ्यास 6

1.1. पढ़ौ, विचार करौ औरु लिखौ :

- **साक्षरता सौं ज्ञान बढ़ै ऐ।**

____

- **शिक्षा शोषण सौं बचाये रहै।**

____

- **एकता सौं देश मजबूत होय।**

____

1.2. 'क्ष', 'ज्ञ' औरु 'ए' जोड़िकै सब्दान कूँ पूरौ करौ औरु लिखौ :

न ___ त्र	________	**सा ___ र**	________
अ ___ ान	________	**___ कांत**	________
___ कड़	________	**गुण ___**	________

2. गिनौ औरु लिखौ :

91	**92**	**93**	**94**	**95**
___	___	___	___	___
96	**97**	**98**	**99**	**100**
___	___	___	___	___

जाँच-पत्र : 5 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1. पढ़ौ :

(अ) शिक्षक अक्षर विज्ञान पढ़िए
त्रिवेणी ऐरावत चाँदनी याज्ञिक

(ब) शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान करनौई नांय। बु तौ जीवन कौ अंग होति ऐ। आदमी के जनम से लै कै जीवन के अंतिम क्षण तक शिक्षा चलति रहति ऐ।

2. नीचे लिखै सब्दान की सहायता से आगें लिखै वाक्यन की खाली जगहन कौ भरौ :

शिक्षक साक्षरता आँखिन

- शिक्षा और ________ सौं जन-जन अपने विकास कौ सोंच सकै।
- ________ के सामने समाज कौ हितु ही सबसै ऊँचौ होतु ऐ।
- जो मानुस ________ की देखभाल नांय राखै, बाकू पछितानौ परै।

3. लिखौ :

संज्ञा	______	**मोक्ष**	______
अक्षत	______	**ज्ञानी**	______
त्रिफला	______	**ऐलगैल**	______
त्रिशूल	______	**कक्षा**	______

4. कोष्ठक मै लिखै सब्दान मै सै ठीक सब्द चुनिकै वाक्यन कूँ पूरौ करौ :

- **शिक्षक कौ सब ______ करैं। (आदर/अनादर)**
- **शिक्षकई ______ कूँ साक्षर बनावतु ऐं। (साक्षर/निरक्षर)**
- **" ______ है तौ जहान है।" (कान/आँख)**

5. 71 से 100 तक गिनती क्रम से लिखौ :

71									
									100

पाठ 7

ब्रज आश्रम वृंदावन गोवर्धन

्र श्र ृ र्
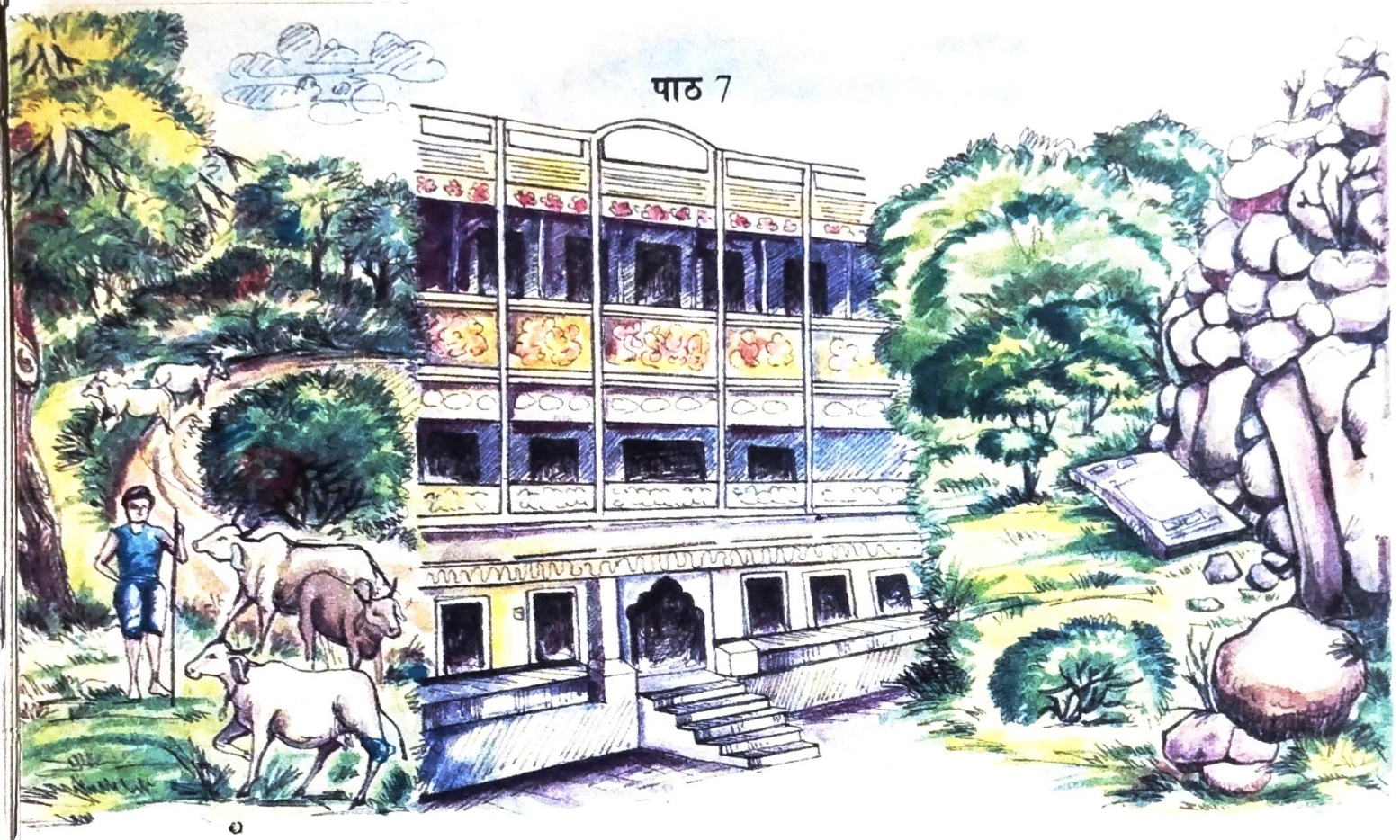
्र	प्रण	प्राण	प्रेम	प्रीति
श्र	श्रम	श्रीमान	आश्रम	विश्राम
ृ	कृपा	बृषभानु	कृषक	प्रकृति
र्	धर्म	दर्पण	बर्तन	कुर्सी

द्रौपदी ब्रजवासी सुग्रीव चक्र श्रीमान
हृदय श्रमिक तीर्थ कृषि प्रकाश
सूर्य परिश्रम मृग पर्वत गृहिणी
पार्वती चर्चा दुर्गा दृढ़ श्रीजी

लागै वृंदावन नीको

ब्रज मंडल मथुरा के आस-पास चौरासी कोस मै फैलौ ऐ। ब्रजवासी सरल हृदय और प्रेमी होय ऐं। वे धर्म-कर्म सों प्रीति करैं। बृषभानु नंदिनी के चरण कमलन सों प्रेम करैं।

ब्रज कौ एक तीर्थ गोवर्धन-पर्वत हूँ विशेष ऐ। गोवर्धन, प्रभु कौ साक्षात् रूप ही मानो जाय। हर पूरनमासी कौ याकी सात कोस की परिक्रमा लगाई जाय। मुणिया पूर्णिमा कूँ या परिक्रमा करिबै वारे प्रेमीजन जि गीत गामै–

"मै गोवर्धन कूँ जाऊँ मेरे बीर,
नांय मानै मेरौ मनुआ।"

वृंदावन तौ तुलसी कौ बन हतो, सो याकौ नाम वृंदावन पड़ि गयो। नंदलाल-गोपाल की लीलान के कारण याकी महिमा बढ़ि गयी। आज तौ वृंदावन ब्रज कौ सबतैं बड़ौ तीर्थ बनि गयो ऐ। याही लिए लोग गावैं–

"आली मोहे लागै वृंदावन नीको।"

अभ्यास 7

1.1. पढ़ौ औरु लिखौ :

प्रौढ़	______	प्रभु	______	धर्म	______
प्रकृति	______	अमृत	______	गृहिणी	______
पार्वती	______	सूर्य	______	आश्रम	______

1.2. पढ़ौ, विचार करौ औरु लिखौ :

- वृक्षन ते प्राणवायु मिलै ऐ।

  ____

- पेड़-पौधे वर्षा लावैं।

  ____

- वृक्षन ते पर्यावरण सुधरै ऐ।

  ____

- वृक्ष भूमि-कटाव कौ रोकैं।

  ____

2. समझौ : जोड़

जोड़ कौ मतलब ऐ-मिलानौ, जाको चिह्न ऐ(+)।

जैसे:

● ● ● ● + ● ● ● = ● ● ● ● ● ● ●
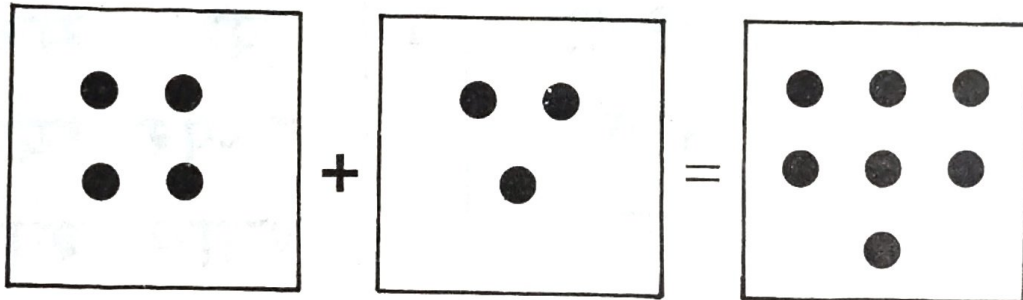
4 + 3 = 7

या

$$\begin{array}{r} 4 \\ +\ 3 \\ \hline 7 \\ \hline \end{array}$$

जोड़ौ :

$$\begin{array}{r} 5 \\ +\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 3 \\ +\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 5 \\ +\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 6 \\ +\ 1 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 8

संयुक्ताक्षर

(पाई हटाकर बनने वाले)

ख्	ख्याल	तख्त	ग्	ग्वाला	सुग्गा
च्	अच्छा	बच्चा	ज्	ज्वार	सज्जन
त्	पत्ता	सत्य	प्	छप्पर	प्याला
ल्	गल्ला	मुल्क	श्	श्याम	श्वेत
ष्	कृष्ण	मनुष्य	स्	स्कूल	बस्ता
न्	नन्द नन्दन	धन्य	ध्	ध्यान	ध्वज
भ्	सभ्य	अभ्यास	थ्	पथ्य	स्वास्थ्य
म्	कदम्ब	आरम्भ	घ्	अर्घ्य	विघ्न
व्	व्यायाम	व्यवहार	ब्	सब्जी	ब्यालू

स्वस्थ तन, स्वस्थ मन

ललिता : भैया गोपाल ! अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया करो। पढ़ने-लिखने के साथ ही खेलना और व्यायाम करना भी आवश्यक माना गया है।

गोपाल : हाँ दीदी ! व्यायाम का महत्त्व तो है ही। पड़ोस

के नन्दू और कन्हैया भी नित्य व्यायाम करते हैं।

ललिता : अच्छा गोपाल ! तुम्हारी पुस्तक में स्वास्थ्य से संबंधित कोई पाठ है या नहीं ?

गोपाल : स्वास्थ्य पर एक पाठ है। उसमें लिखा गया है कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन रहता है।

ललिता : यह तो ध्यान देने वाली बात है। व्यायाम का अभ्यास किया करो। दूध पिया करो। हरी सब्जियाँ खाया करो। कृष्ण की तरह बलवान बनो।

गोपाल : स्वस्थ तन व स्वस्थ मन के साथ ही अच्छा व्यवहार भी जीवन के लिए उपयोगी माना गया है।

ललिता : हाँ, यह तो लाख टके की बात है। व्यवहार और आचरण का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। संतुलित भोजन, व्यायाम और अच्छा आचरण अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है। स्वस्थ तन और स्वस्थ मन वाला मनुष्य सभी कठिनाइयों पर विजय पा लेता है।

गोपाल : ठीक है दीदी ! मैं स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान दूँगा।

अभ्यास 8

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और लिखिए :

प्यार	______	बच्चा	______
कृष्ण	______	त्योहार	______
उन्नति	______	सब्जी	______
ध्यान	______	सभ्य	______

2. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए और फिर से लिखिए :

- उत्तम स्वास्थ्य के लिए हरी ______ खाना जरूरी है। (सब्जी/घास)

____

- प्रतिदिन ______ करना अच्छा होता है। (आराम/व्यायाम)

____

- हमेशा ईश्वर का ______ करना चाहिए। (ध्यान/अभ्यास)

____

3. समझिए : घटाना

घटाने का मतलब है–कम करना या निकाल देना।

जैसे :

एक आदमी के पास 5 रुपये हैं। उसने 4 रुपये दूसरे को दे दिए। अब उसके पास केवल 1 रुपया बचा। 5 रुपये में से 4 रुपये कम हो गए तो 1 रुपया बचा। यही घटाना है। घटाने का चिह्न है (–)।

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$5 - 4 = 1$ या

$$\begin{array}{r} 5 \\ -\ 4 \\ \hline 1 \\ \hline \end{array}$$

घटाइए :

$$\begin{array}{r} 6 \\ -\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 8 \\ -\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ -\ 5 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

4. जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 4 \\ +\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ +\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 15 \\ +\ 12 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 13 \\ +\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 9

संयुक्ताक्षर

(घुंडी हटाकर बनने वाले)

क	क्यारी	क्वार	क्वारी	मक्खन	मक्का
	चक्की	रिक्शा	शक्ति	भक्त	डाक्टर
फ	मुफ्त	दफ्तर	रफ्तार	हफ्ता	फ्लू
	मुजफ्फरनगर				

समझदार सुक्खा

राम उजागर के पास काफी धन था। फिर भी धन की भूख नहीं मिटी थी। वह अधिक से अधिक धन कमाने के चक्कर में रहता था।

एक दिन एक साधु उसके घर आया। उसने कहा–"मैं देवी का भक्त हूँ। अगर देवी का चमत्कार देखना चाहो तो दिखाऊँ।" राम उजागर बोला–"दिखाओ बाबा!" साधु ने उससे थोड़ा मक्खन लाने को कहा। राम उजागर ने मक्खन उसके सामने रख दिया। साधु ने मक्खन को छू दिया। ऐसा करते ही उसके हाथ में एक फूल आ गया। यह चमत्कार देखकर राम उजागर की आँखें फटी की फटी रह गयीं। वह साधु के पैरों पर गिर पड़ा।

साधु ने राम उजागर से कहा—"बच्चा! तुम चाहो तो मैं तुम्हारा धन भी दूना कर सकता हूँ।" लोभी राम उजागर लालच में आ गया। धन दूना कराने के लोभ में उसने अपना धन साधु को दे दिया। वह साधु, साधु नहीं, ठग था। उसने राम उजागर को बातों में भुलाए रखा और मौका पाकर धन लेकर चम्पत हो गया। गाँव वालों ने राम उजागर की बड़ी खिल्ली उड़ायी।

राम उजागर के पड़ोस में ही सुक्खा रहता था। वह नए विचारों का था। उसने राम उजागर को समझाया—"देखो राम उजागर, किसी पर विश्वास करना अच्छा है, लेकिन

अंधविश्वास बहुत बुरा है। अपने गाँव के तमाम लोग अंधविश्वास में जकड़े हैं। मैं हमेशा सबको समझाता हूँ। दो

हफ्ते पहले गफ्फार के लड़के को बुखार आया। वह मस्जिद में फूँक डलवाने गया। बच्चे को तो निमोनिया था, वह और बढ़ गया। डाक्टर आया, तब ठीक हुआ।

इसी तरह झक्कू की माँ को फ्लू हुआ। वह भी ओझा से झाड़-फूँक कराने गया। जब बुढ़िया मरने-मरने को थी, तब डाक्टर बुलाया। तुम्हें भी तो मैंने कई बार समझाया है।"

"हाँ भैया!" राम उजागर धीरे से बोला—"मैं पहले तुम्हारी बात मानता, तो इस तरह न लुटता।"

अभ्यास 9

1.1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और लिखिए :

अक्ल	______	मक्खन	______
डाक्टर	______	मुनक्का	______
कोफ्ता	______	रुक्मिणी	______
रफ्तार	______	इक्कीस	______

1.2. पढ़िए और लिखिए :

- रग्घू ने अपने पुत्र का ब्याह इक्कीस साल की उम्र के बाद किया।

____

____

- रुक्मिणी सप्ताह में एक बार कोफ्ता बनाती है।

____

- गर्भवती महिला की डॉक्टरी जाँच जरूरी है।

____

2. समझिए : गुणा

6 + 6 + 6 = 18

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

6 × 3 = 18 या

$$\begin{array}{r} 6 \\ \times 3 \\ \hline 18 \\ \hline \end{array}$$

इसे गुणा करना कहते हैं। गुणा का चिह्न है (×)।

गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 4 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 5 \\ \times 6 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ \times 8 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 2 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 9 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 8 \\ \times 6 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ \times 5 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 4 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 7 \\ \times 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

3. घटाइए :

$$\begin{array}{r} 36 \\ -13 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 55 \\ -23 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 57 \\ -34 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 78 \\ -52 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 10

संयुक्ताक्षर

(हलन्त ् लगाकर बनने वाले)

ट्	मिट्टी चट्टान चट्टी चिट्ठी मट्ठा
	मट्ठी सिलबट्टा लट्ठ मिट्ठन छुट्टी
ठ्	पाठ्य पुस्तक हँसी ठठ्ठा
ड्	अड्डा खड्ढ ड्योढ़ी कबड्डी बुड्ढा
द्	द्वार द्वापर द्वारिका द्वारिकाधीश
	विद्या विद्यालय विद्वान उद्योग दद्दा
ह्	चिह्न जिह्वा ब्रह्म कह्यौ गह्यौ

आधा द और आधा ह अन्य अक्षरों से मिलाकर इस तरह भी लिखे जाते हैं –

द् + य = द्य	विद्या विद्यालय गद्य पद्य
द् + व = द्व	द्वार द्वारिकाधीश द्वापर
द् + ध = द्ध	वृद्ध समृद्धि सिद्धि
ह् + न = ह्न	चिह्न अपराह्न
ह् + म = ह्म	ब्रह्म ब्राह्मण

(ट, ड के साथ र का संयोग)

ट्र	राष्ट्र ट्रैक्टर ट्रेन कंट्रोल ट्रक ट्राली पेट्रोल
ड्र	ड्राफ्ट ड्रिल ड्रम ड्रेस

हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

हर देश की अपनी पहचान होती है। इस पहचान के कुछ चिह्न होते हैं। ये चिह्न हैं—राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय प्रतीक।

हमारा राष्ट्र ध्वज

तिरंगा हमारे देश का राष्ट्र ध्वज है। इसमें तीन रंग हैं। ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरा रंग होता है।

सफेद पट्टी के बीचोबीच नीले रंग का चक्र होता है। इस चक्र में चौबीस तीलियाँ होती हैं। केसरिया रंग त्याग और साहस का, सफेद रंग शांति और सच्चाई का और हरा रंग मातृभूमि की सम्पन्नता का प्रतीक है। बीच का चक्र हमें आगे बढ़ते रहने का संदेश देता है। राष्ट्रीय पर्वों पर कोई भी नागरिक इसे अपने मकान पर फहरा सकता है। फहराते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि झण्डा डंडे के ऊपरी सिरे से जुड़ा रहे। सूर्यास्त से पहले राष्ट्रीय झण्डा उतार लिया जाता है। राष्ट्रीय झण्डे को हम पूरा सम्मान देते हैं।

हमारा राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत

'जन-गण-मन' हमारा राष्ट्र गान है। इसे कवीन्द्र रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा था। राष्ट्रीय समारोहों के प्रारंभ और अंत में राष्ट्र गान गाया जाता है। इसे गाते समय सावधान मुद्रा में खड़े होना चाहिए।

'वन्दे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया है। इसकी रचना श्री बंकिमचन्द्र चटर्जी ने की थी।

हमारा राज चिह्न

भारत का राज चिह्न अशोक-स्तम्भ से ली गई शेर की त्रिमूर्ति है। स्तम्भ में चार शेर हैं, पर चित्र में तीन ही दिखाई देते हैं। इस त्रिमूर्ति के नीचे घोड़े और बैल का चित्र

है। इनके बीच में चक्र है। चक्र के नीचे लिखा है, 'सत्यमेव जयते' अर्थात् 'सत्य की ही विजय होती है।'

हमारा राष्ट्रीय पशु
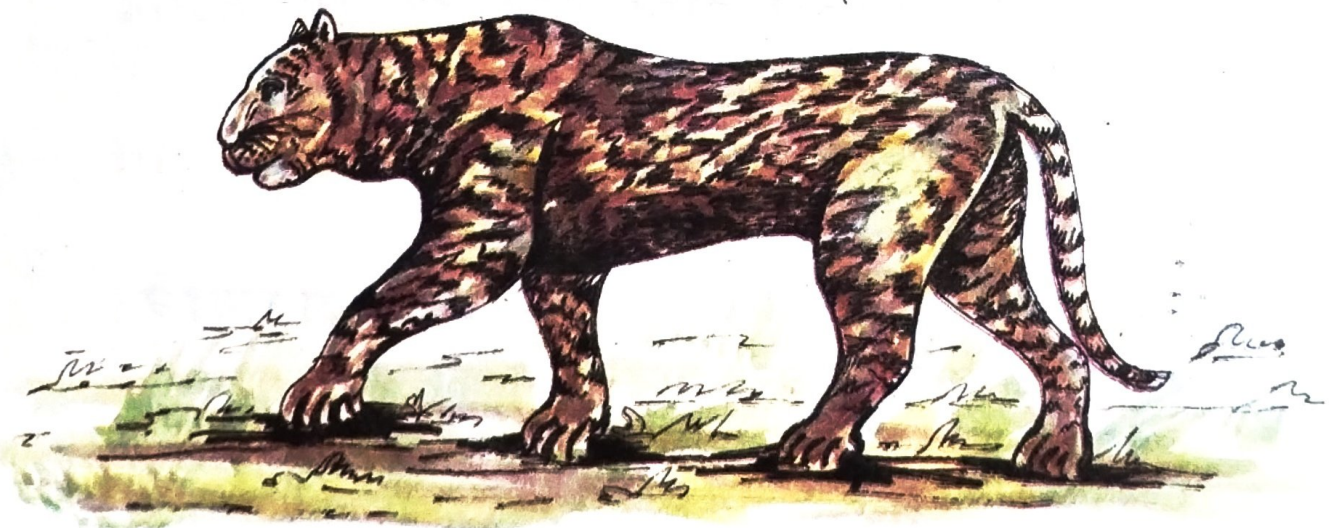
बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है। बाघ का सजीला, स्वस्थ शरीर, उसकी चुस्ती-फुर्ती, उसकी शाही चाल, उसकी दहाड़ आदि शौर्य और ओज के प्रतीक हैं। भारत में बाघ का शिकार पूर्णरूप से वर्जित है।

हमारा राष्ट्रीय पक्षी
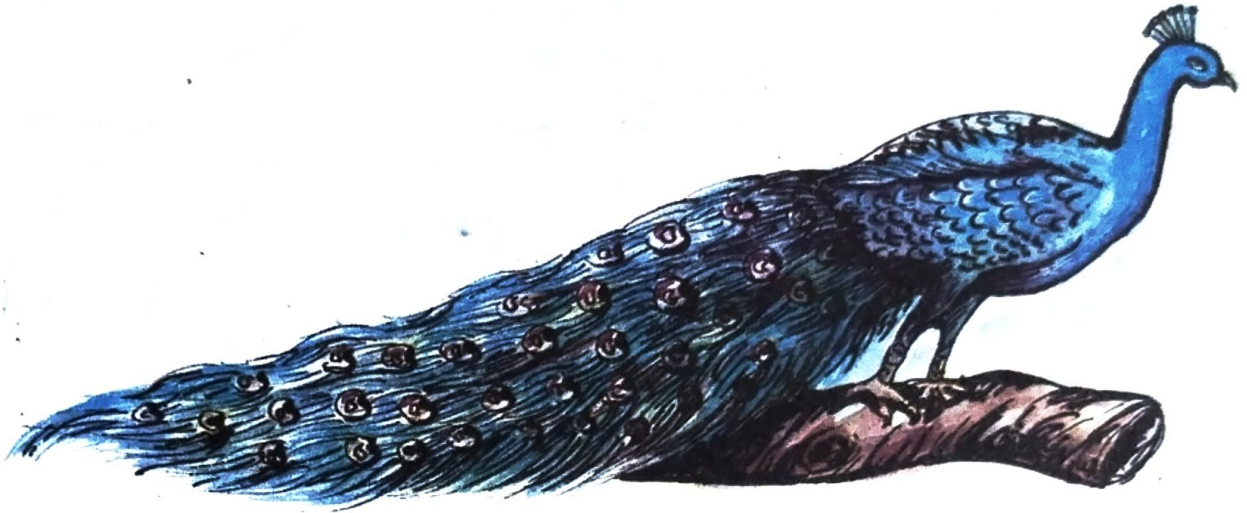
हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है। मोर प्राचीन काल से हमारी संस्कृति से जुड़ा है। इस राष्ट्रीय पक्षी को मारना कानूनन जुर्म है।

अभ्यास 10

1.1. पढ़िए और लिखिए :

खद्दर	______	लड्डू	______
विद्वान	______	चिह्न	______
अड्डा	______	मिट्टी	______

1.2. पढ़िए, समझिए और लिखिए :

अच्छी पैदावार के लिए मिट्टी की जाँच कराइए।

____

खद्दर का कपड़ा स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

____

विद्वानों की हर जगह पूजा होती है।

____

1.3. हलन्त (्) लगाकर सही शब्द बनाइए और लिखिए :

चददर	लटठा	मटठा	गददा
______	______	______	______

2. समझिए: भाग

किसी चीज को बराबर हिस्सों में बाँटने को भाग देना कहते हैं। भाग का चिह्न (÷) है।

जैसे :

$8 \div 2 = 4$ या 2) 8 (4
8
———
×
———

भाग दीजिए :

$6 \div 3 =$ ______ $8 \div 4 =$ ______

$4 \div 2 =$ ______ $9 \div 3 =$ ______

3. गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 14 \\ \times\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 22 \\ \times\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 24 \\ \times\ 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 21 \\ \times\ 7 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

जाँच-पत्र: 6 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

1. पढ़िए :

(अ) होरी कौ परब हमारे देश कौ विशेष परब ऐ। यामें सब धरमन कै औरु सबहिं जातिन कै लोग अति नेह भाव सूँ मिलैं, सब भेद भाव मिटि जाय।

(ब) भिक्षुक प्रकृति छप्पर डाक्टर उद्योग

2. खण्ड (अ) और खण्ड (ब) के अधूरे वाक्यों को मिलाकर सही वाक्य बनाइए और लिखिए :

(अ)	(ब)
तिरंगा हमारे देश का	राष्ट्र गान है।
केसरिया रंग	राष्ट्र ध्वज है।
जन-गण-मन हमारा	त्याग और साहस का प्रतीक है।

____

____

____

3. चित्र देखकर उनके नाम लिखिए :

 ____________ ____________
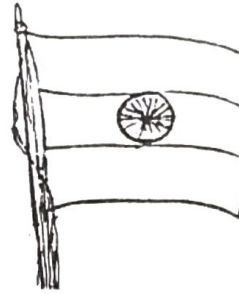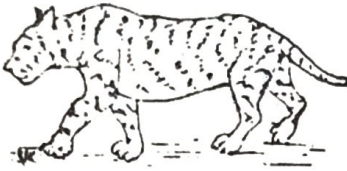
4. इमला लिखिए :

(पाठ 1 से 10 तक किसी पाठ से 5 वाक्य का इमला बोलें।)

____

____

____

____

____

5. जोड़िए :

5	7	23
+ 3	+ 2	+ 34
______	______	______

6. घटाइए :

6	9	27
– 4	– 6	– 15
______	______	______

7. गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 5 \\ \times\ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 4 \\ \times\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 12 \\ \times\ \ 3 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

8. भाग दीजिए :

$6 \div 2 =$ ________ $9 \div 3 =$ ________

नाम ____________________

पता ____________________

प्रवेश तिथि ____________ परीक्षा तिथि ____________

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर ____________

तारीख ____________

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : ____________________

परियोजना : ____________________

जिला : ____________________ उत्तर प्रदेश

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री .... ने सन् .... में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में ब्रज भारती भाग II को पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक   ग्राम प्रधान   अनुदेशक

तारीख ____________